



बुखार में देरी
पड़ेगी भारी

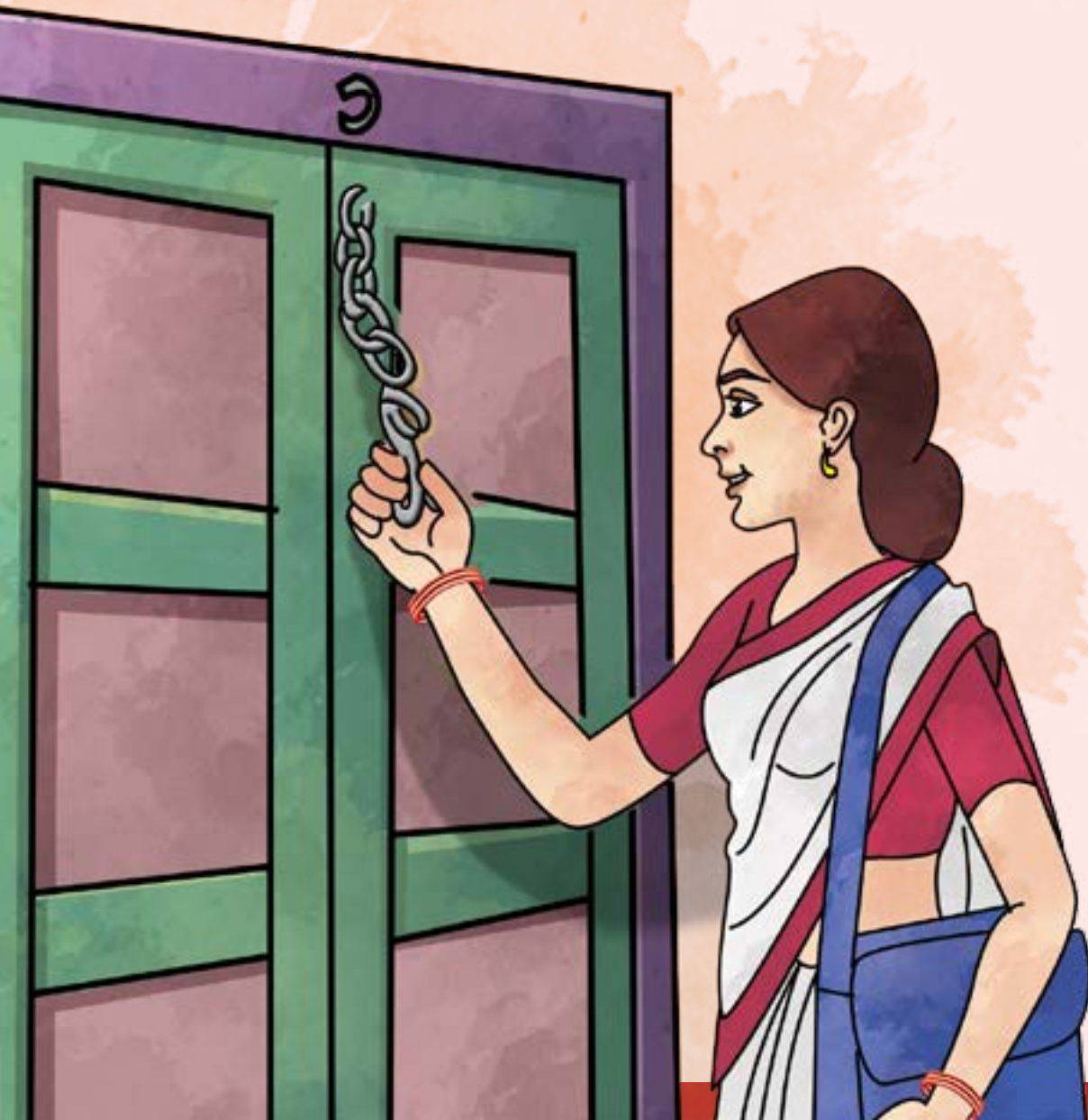
विशेष संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़ा

दिमागी बुखार पर सरकार का सीधा वार, सुरक्षित होगा हर परिवार

घर - घर पर

दस्तक

माननीय जन प्रतिनिधियों हेतु वार्ता बिंदु





क्षेत्रवासियों हेतु संदेश

दिमागी बुखार अथवा नवकी बीमारी एक संचारी रोग है जो प्रमुखतः मच्छरों के काटने, दूषित जल के सेवन, माईट्स या चिगगर के काटने आदि के कारण होने वाली बीमारियों के बिगड़ जाने से होता है। इस बीमारी की रोकथाम के उपायों में चूहे, छछूंदर, मच्छरों पर नियंत्रण, व्यक्तिगत तथा पर्यावरणीय स्वच्छता तथा स्वच्छ जल का सेवन प्रमुख है।

दिमागी बुखार से कैसे बचें

- बच्चों को जेई का टीका अवश्य लगवाएं
- मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास साफ-सफाई रखें और पानी जमा न होने दें
- पूरी बांह तक कपड़े पहनाएं
- सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करें
- चूहे, छछूंदर को घर के अन्दर न आने दें तथा आस-पास पनपने न दें
- पीने के लिए पांच मिनट तक उबला हुआ या फिर क्लोरीनयुक्त पानी ही प्रयोग करें
- स्वच्छ जल का प्रयोग करें
- इंडिया मार्क 2 का हैंडपंप प्रयोग करें और उसके आसपास सीमेंट का चबूतरा बनवाएं
- शौच के लिए हमेशा शौचालय का प्रयोग करें
- खाने के पहले और बाद में एवं शौच जाने के बाद हमेशा हाथ साबुन से धोएं
- बच्चों को उचित आहार दें और कुपोषण से बचाएं
- जन्म के एक घंटे के अंदर बच्चे को माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध पिलाएं
- पहले 6 माह तक के बच्चे को केवल माँ का दूध पिलाएं और 6 माह के बाद ऊपरी आहार देना शुरू करें
- पालतू जानवरों को और उनके बाड़े को साफ सुथरा रखें
- सुअरबाड़ों को अपने घर से दूर बनाएं

दिमागी बुखार का उपचार एवं देखभाल

- बुखार आते ही बच्चे को तुरंत ब्लॉक या ज़िला अस्पताल ले जाएं
- बच्चे को झटके या मिर्गी जैसी गंभीर समस्या होने पर 108 एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाएं
- बच्चे के ठीक होने तक उसका पूरा इलाज कराएं
- 5 साल तक के बच्चों के सभी टीके समय पर ज़रूर लगवाएं



मीडिया हेतु संदेश

- उत्तर प्रदेश सरकार एईएस/जेई को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और विशेष संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़ा तथा दस्तक अभियान हमारे इस दृढ़ संकल्प का प्रमाण है
- मीडिया के साथियों से अनुरोध है कि एईएस/जेई के बारे में समाज को जागरूक करने में सहायता करें
- आपसे आग्रह है कि अपनी खबरों में तथ्य एवं तकनीकी जानकारी का प्रयोग करें
- क्षेत्र में जहां-जहां एईएस/जेई केसेज में कमी आई है, वहां के उदाहरण को अन्य गाँवों और नगरों में अपने पाठकों तक पहुंचाएं
- विशेष संचारी रोग नियंत्रण पखवाड़े में हम अपने क्षेत्र के विभिन्न गाँवों के स्कूल, चिकित्सालय एवं सामाजिक स्थलों पर जा कर क्षेत्रवासियों की जागरूकता बढ़ाने में सहयोग करेंगे



पंचायत अधिकारियों हेतु संदेश

- आप सब जानते हैं की हमारे क्षेत्र के गाँवों का ही बदलाव हमको एईएस/जेई को हराने में सफल करेगा और इसी उद्देश्य से हम सब दस्तक अभियान में भाग ले रहे हैं
- इस संदर्भ में आपका योगदान बहुमूल्य है, साथ ही आपकी जवाबदेही भी है
- हमको तय करना होगा कि हमारे गाँवों में साफ-सफाई की व्यवस्था सुधरे, जलभराव न हों तथा झाड़ियाँ नियमित रूप से हटाई जाती रहें – साथ ही गाँवों को प्राथमिकता के आधार पर “खुले में शौच से मुक्त (ODF)” किया जाएं
- यह कार्य केवल आधिकारिक स्तर पर नहीं होगा, समाज के सभी वर्गों को इस अभियान में हाथ बंटाना होगा, इसमें ग्राम प्रधान, ग्राम विकास अधिकारियों, धर्मगुरु, स्कूलों के अध्यापकों इत्यादि की भागीदारी आवश्यक हैं
- याद रहे, पर्याप्त बचाव एवं समय से उपचार हमारे समाज को एईएस/जेई मुक्त बना सकता है, आइए इस संदेश के साथ अपने साथी नागरिकों के दरवाज़ों पर दस्तक दें और उनको जागरूक करें तथा अपने गाँव को स्वच्छ और बीमारी मुक्त रखें



आपसे अपेक्षित सहयोग

- दिमागी बुखार पर 6 स्पेशल टी.वी. प्रोग्राम देखना न भूलें:
दूरदर्शन लखनऊ, प्रोग्राम : मिशन हैल्थ, समय : शाम 6.30 बजे
- समुदाय को यह प्रोग्राम देखने के लिए याद दिलायें

दिवस	गतिविधि
मार्च 30 (शुक्रवार)	पैनल डिस्कशन दस्तक अभियान क्या है? दिमागी बुखार से बचाव कैसे करें?
अप्रैल 3 (मंगलवार)	पैनल एक्सपर्ट एवं लाइव फोन-इन दिमागी बुखार से बचाव में समुदाय की ज़िम्मेदारी
अप्रैल 10 (मंगलवार)	दिमागी बुखार से जंग – डॉक्टर आपके गांव में – घर घर पे दस्तक
अप्रैल 17 (मंगलवार)	डॉक्टर हॉस्पिटल में – दिमागी बुखार के शुरूआती लक्षण – कहाँ ले जायें उपचार के लिए – जानिए कौन कौन सी सुविधाएं हैं जिला अस्पताल में
अप्रैल 24 (मंगलवार)	दिमागी बुखार से जीतने वाले माता-पिता से एक मुलाकात
मई 1 (मंगलवार)	दिमागी बुखार और साफ-सफाई स्कूली बच्चों से बातचीत

दस्तक के लिए प्रस्तावित समुदाय स्तरीय गतिविधियां जिनमें आप अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं :

दिवस	गतिविधि
अप्रैल 2 (सोमवार)	ज़िला स्तरीय शुभारंभ
अप्रैल 3 (मंगलवार)	निर्वाचित जनप्रतिनिधि एवं निर्वाचन क्षेत्र के अधीन कम से कम 5 सर्वाधिक जोखिम वाले गाँवों में निम्नांकित गतिविधियों को संचालित करेंगे। सुझाये गए गतिविधियों की सूची निम्न प्रकार है :
अप्रैल 4 (बुधवार)	1. स्वास्थ्य कर्मियों तथा आशा कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करें
अप्रैल 5 (गुरुवार)	2. ग्राम प्रधानों के साथ बैठकें करें
अप्रैल 6 (शुक्रवार)	3. शिक्षकों के साथ बैठकें करें
अप्रैल 7 (शनिवार)	4. सामुदायिक बैठकों को संबोधित करें। दिमागी बुखार की वजह से जान गंवाने वाले बच्चों के अभिभावकों से मुलाकात करें और दिमागी बुखार अभियान के लिए समर्थन जुटाएं
अप्रैल 8 (रविवार)	5. ग्राम स्तरीय रैलियों में हिस्सा लें
अप्रैल 9 (सोमवार)	6. ज़िला/प्रखंड स्तर पर अंतर्विभागीय बैठकों में शामिल हों
	7. विभिन्न विभागों द्वारा तैयार जेई/ईएस गतिविधियों के प्रगति की समीक्षा करें
अप्रैल 9 (सोमवार)	मीडिया से संवाद – जन भागीदारी गतिविधियों पर संवाददाता सम्मेलन

अंतरराष्ट्रीय सहयोगी संगठनों का साथ

दिमागी बुखार के खिलाफ इस व्यापक अभियान में डब्ल्यू.एच.ओ. (विश्व स्वास्थ्य संगठन), पाथ और यूनिसेफ सकारात्मक तकनीकी सहयोग प्रदान कर रहे हैं। इसमें यूनिसेफ की भूमिका प्रमुख संचार सहायक की है।